डीआरआई और इंडियन कोस्ट गार्ड्स ने तमिलनाडु में दो मामलों में 20.21 करोड़ रुपये की कीमत का 32 किलोग्राम से अधिक सोना जब्त किया

प्रविष्टि तिथि: 01 JUN 2023 7:34PM by PIB Delhi

राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने इंडियन कोस्ट गार्ड (आईसीजी), मंडपम और रामनाद कस्टम, प्रीवेंटिव डिवीजन की मदद से एक संयुक्त अभियान में मछली पकड़ने वाली दो नौकाओं को रोका और 32.869 किलोग्राम विदेशी मूल का सोना जब्त किया, जिसकी कीमत 20.21 करोड़ रुपए की तस्करी श्रीलंका से तट के रास्ते भारत में की गई थी।

डीआरआई, चेन्नई द्वारा विशिष्ट खुफिया जानकारी प्राप्त की गई थी कि मछली पकड़ने वाली नौकाओं का उपयोग करके विभिन्न गिरोहों द्वारा रामनाड (तमिलनाडु) में वेधलाई तट के माध्यम से श्रीलंका से विदेशी मूल के सोने की तस्करी की जा रही है। डीआरआई अधिकारियों ने आईसीजी की मदद से व्यापक तटीय निगरानी की और संदिग्ध मछली पकड़ने वाली नौकाओं की पहचान की।

समुद्र में पीछा करने के बाद 30मई, 2023 की सुबह डीआरआई अधिकारियों और तटरक्षक अधिकारियों की एक टीम ने संदिग्ध मछली पकड़ने वाली नौकाओं में से एक को रोका। अवरोधन के दौरान, मछली पकड़ने वाली नाव में सवार लोगों ने वर्जित पार्सल को समुद्र में गिरा दिया। प्रतिबंधित पार्सल में 11.6 किलोग्राम विदेशी मूल का सोना है, जिसकी कीमत 7.13 करोड़ रु. है। इसे तटरक्षक बल के विशेषज्ञ गोताखोरों की मदद से समुद्र तल से बरामद किया गया है और इसे सोने की तस्करी के लिए इस्तेमाल की गई नाव के साथ जब्त कर लिया गया है।

30मई, 2023 की रात को मछली पकड़ने वाली एक दूसरी संदिग्ध नाव की पहचान हुई। इसके बाद, डीआरआई अधिकारी एक भारतीय सीमा शुल्क गश्ती नाव पर चढ़े और संदिग्ध मछली पकड़ने वाली नाव की ओर बढ़े और दूर से देखा कि नाव में बैठ लोग किनारे पर इंतजार कर रहे दो रिसीवरों को एक पार्सल सौंप रहे थे। समुद्र की ओर से तेजी से आ रही भारतीय सीमा शुल्क की नाव को देखकर, दोनों रिसीवरों ने तस्करी के सोने को लेकर अंधेरे में भागने की कोशिश की। अधिकारियों ने अंधेरे में रिसीवर का पीछा किया और उन्हें दबोच लिया।

लोगों से पूछताछ करने पर उनके पास से एक जैकेट में आठ पैकेट मिले। विस्तृत जांच में 21.269 किलोग्राम विदेशी मूल का सोना बरामद हुआ जिसकी कीमत 13.08 करोड़ रुपए आंकी गई है। इसे सोने की तस्करी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली नाव और एक दोपहिया वाहन के साथ जब्त किया गया है।

आगे की जांच जारी है।

****